भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3080

गुरुवार, 21 दिसम्बर, 2023(30 अग्रहायण, 1945 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

*****

बागडोगरा विमानपत्तन का विस्तार

3080. श्री राजू बिष्टः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बागडोगरा विमानपत्तन के नए सिविल एन्कलेव के निर्माण और इसके विस्तार में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए अपेक्षित भूमि हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस परियोजना के पूरा होने की अनुमानित समय-सीमा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने बागडोगरा से उत्तर-पूर्व क्षेत्र के राज्यों की राजधानियों के लिए उड़ान योजना के अंतर्गत सीधी उड़ानों के किसी प्रस्ताव पर विचार किया है क्योंकि इस क्षेत्र के बीच लोगों और माल की आवाजाही अधिक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल) (डा.), विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)

(क): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने,1549 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बागडोगरा हवाईअड्डे में नया सिविल एन्क्लेव विकसित (चरण-I) किए जाने की योजना बनाई है। इस कार्य की शुरुआत, विभिन्न विभागों से विभिन्न निकासियां और अनुमोदन प्राप्त होने पर निर्भर है;

(ख): पश्चिम बंगाल सरकार ने सिविल एन्क्लेव विकासित किए जाने के लिए 98.72 एकड़ भूमि, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को सौंप दी है। इसमें से 95.20 एकड़ भूमि, 99 वर्ष की अवधि के लिए पट्टा आधार पर है। शेष 3.52 एकड़ भूमि, स्वामित्व के आधार पर अन्तरित की जाती है। इसके अतिरिक्त, पश्चिम बंगाल सरकार ने बागडोगरा हवाईअड्डे पर प्रवेश और निकास की अलग-अलग सुविधा के लिए 0.35 एकड़ भूमि सौंपने पर सहमति व्यक्त की है।

इस परियोजना के पूरा होने की संभावित तारीख, अक्टूबर, 2026 है। हालांकि, हवाईअड्डा परियोजनाओं के पूरा होने की समयसीमा, विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जैसे संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ता द्वारा अनिवार्य अनुमोदन और निकासी प्राप्त करना, बाधाओं का हटाया जाना, वित्तीय समापन आदि।

(ग) : नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई सम्पर्क को बढावा देने और आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए क्षेत्रीय सम्पर्क योजना (आरसीएस) –उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) शुरू की है। उड़ान बाजार आधारित योजना है। इच्छुक एयरलाइनें, विशेष मार्गों पर मांग के आकलन के आधार पर समय-समय पर "उड़ान योजना" के तहत बोली प्रक्रिया के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। हालाँकि, इस हवाईअड्डे से उड़ानों के प्रचालन के लिए किसी भी एयरलाइन से कोई वैध बोली प्राप्त नहीं हुई है।

******